



एक और टीवी एंकर की चुदाई-2

“दूसरी टीवी एंकर कुंवारी थी और अपनी पहली चुदाई का मजा लेना चाहती थी. पर वो डर रही थी. मैंने उसको विश्वास दिलाया कि उसे अच्छा लगेगा. तो वो अपनी बुर में लंड लेने को मान गयी. ...”

Story By: चूतेश (chutesh)

Posted: Saturday, April 18th, 2020

Categories: [पहली बार चुदाई](#)

Online version: [एक और टीवी एंकर की चुदाई-2](#)

एक और टीवी एंकर की चुदाई-2

मैंने कहा- अच्छा अब मेरी तारीफ बंद और चुदाई शुरू. मैं यह सब कुछ बताना नहीं चाहता था और आज तक किसी रानी को बताया भी नहीं, लेकिन गुड्डी रानी की ज़िद ने मजबूर कर दिया. चलो अच्छा ही हुआ इसका मन तो शांत हो गया न ... मन में कोई चिंता या तनाव नहीं रहना चाहिए... गुड्डी रानी अब तू देख मेरी जीभ का करिश्मा.

इतना कह के मैंने गुड्डी रानी को कस के आलिंगन में बांध लिया और सिर झुका कर उसके फूले हुए, बड़े बड़े मम्मों पर जीभ हल्के से फिराई. रानी ने चिहुंक कर आह भरी.

चूचुक मुलायम चिकने और बहुत ज्यादा गोरे थे जिनकी निप्पल हल्के ब्राउन थे. निप्पल खूब बड़े बड़े थे और निप्पल के दायरे भी काफी बड़े, गोल और निप्पल के ब्राउन रंग से काफी हल्के शेड के.

एक निप्पल को अंगूठे और तर्जनी में लेकर मसला और दूसरी निप्पल मुंह में लेकर जीभ फिरानी शुरू कर दी. चूचा कभी होंठों से चूसता और कभी निप्पल के दायरे के इर्द गिर्द अपनी गर्म गर्म जीभ घुमाता.

गुड्डी रानी उत्तेजना से तडफ़ने लगी थी.

बड़े गोल चूचुक और वैसे ही बड़ी निप्पल !वाह वाह क्या कहने !यह तो किसी भी मर्द के स्वप्नों के साकार होने जैसा होता है. इतने ज़बरदस्त मम्मों पर ऐसा कौन महारथी है जो फिसल के लट्टू नहीं हो जायगा. मैं भी लट्टू होकर गुड्डी रानी के उरोज हुमक हुमक के चूस रहा था. पूरा का पूरा मुँह खोल कर ज्यादा से ज्यादा चूची को मुंह में घुसेड़ने की

चेष्टा कर रहा था. हाथ उसके दूसरे दूध के साथ खेल रहे थे. निप्पल उमेठते, चूचा निचोड़ते तो कभी चूचे को भोंपू जैसे दबाते.

रानी मस्ती में चूर होकर आहें भर रही थी. उसकी कसमसाहट बढ़े ही जा रही थी. उसके चूचुक और भी गर्म हो गए थे.

मेरे लंड का तो हाल पूछो ही मत ... गुस्साये सर्प की तरह फुनकार रहा था.

परन्तु मैं भी तय किये हुए था कि गुड्डी रानी को बहुत अधिक बेहाल करने के बाद ही लौड़ा दूंगा ताकि लंड के घुसते ही एक बार तो डार्लिंग झड़ ही जाए.

तभी बेबी रानी भी मैदान में कूदी. रानी ने मुझे गुड्डी रानी की चूची से हटा दिया और अपना मुंह निप्पल से लगा कर चूसने लगी. गुड्डी रानी ने मस्ती में डूब कर किलकारी मारी. अब उसके नितम्ब और भी तेज़ी से उछलने लगे थे.

मैंने भी अपना हाथ और मुंह फ्री होते ही गुड्डी रानी की चूत पर उंगलियां लगायीं. चूत रस से लबालब भरी हुई थी. हाथ रस से भीग गया. फिर मैंने रानी की भगनासा को रगड़ा तो रानी ने सी सी सी करके छटपटाना शुरू कर दिया.

वह चुदास के भयंकर तूफान में फंस चुकी थी, और इस हवस के तूफान को शांत करने को बेकरार होने लगी थी .

एक तरफ बेबी रानी का चूचुक चूस चूस कर मसल कर खेलना और दूसरी तरफ मेरा उसकी गांड में जीभ से खिलवाड़ करते करते रानी की क्लाइटोरिस को छेड़ना. यह सब मिलकर गुड्डी रानी को आनंद सागर में डुबाये दे रहे थे. रानी बार बार किलकारियां मारने लगी थी.

थोड़ी देर तक रानी किए गांड चूसने का लुत्फ उठाकर मैंने मुंह नीचे की तरफ करके रानी का नितम्ब चाटने शुरू किये. बड़े मस्त मुलायम और रेशम से चिकने गोल गोल नितम्ब थे. मैं

एक नितम्ब दबा भी रहा था, सहला भी रहा था और दूसरा वाला चूतड़ चूस रहा था. और रानी का तो कहना ही क्या ... वो बुरी तरह से छटपटाने लगी थी. गले से अजीब अजीब सी घुटी घुटी आवाज़े आने लगी थीं.

उधर बेबी रानी लगातार अपनी सहेली के उरोजों को मसलने कुचलने में व्यस्त थी. वो भी बहुत गर्म हो गयी थी. तीव्र उत्तेजना से बौरा कर कुछ कुछ बकने लगी थी.

धीरे धीरे मैं नीचे को सरकता हुआ गुड्डी रानी की जांघों तक जा पहुंचा था और तेज़ तेज़ अपनी गीली गर्म ज़ुबान ऊपर से नीचे और दाएं से बाएं फिर रहा था. अब दोनों हाथ फ्री थे तो गुड्डी रानी के दोनों ही नितम्ब ऐसे निचोड़ रहा था जैसे चूचे निचोड़े जाते हैं.

अब गुड्डी रानी के सब्र का बाँध टूट गया. जोर से चिल्लाई- राजे ... क्या सता सता कर दम निकालेगा कमीने ... हाय राजा मर जाऊँगी सच कह रही हूँ ... तन बदन में आग लगी हुई है. ओह ओह राजा प्लीज़ अब और न तंग कर. हंसकर मैंने कहा- अच्छा मेरी जान जैसी मेरी मालकिन की आज्ञा ... चल अब तेरी सील तोड़ ही देता हूँ.

इतना कह कर मैंने बेबी रानी को घसीट कर गुड्डी रानी से अलग किया और गुड्डी रानी को सीधा कर दिया, उसके घुटने मोड़े और टाँगें चौड़ी कर दीं.

तभी गुड्डी रानी बोली- सुन राजा ... मुझे अपनी सील टूटते हुए देखनी है ... खून बहता हुआ देखना है ... यह नज़ारा तो जीवन में एक बार ही देखने मिलता है ना ... ऐसे ही सेटिंग जमा कि मैं सब देख लूँ.

मैंने कहा- रानी पूरा सीन तो देखना संभव नहीं है ... हाँ लंड घुसता हुआ देख पाएगी ... खून अगर ज्यादा निकला तो बहता हुआ भी देखने को मिल जायगा ... अब मालूम नहीं कि तेरी सील कितनी तगड़ी है ... ये तो जब तोड़ी जायगी तभी पता चलेगा ... अगर पर्दा

मोटा हुआ तो खून खूब निकलेगा वर्ना थोड़ा सा निकला तो जरूरी नहीं कि चूत से बाहर बहे भी ... देखते हैं.

मैंने फिर रानी से कहा- गुड्डी रानी मैं नीचे लेटता हूँ ... तू मेरी तरफ पीठ करके लौड़े ले ऊपर सेट हो. फिर आगे को अपना मुंह जितना झुका सकती है, उतना झुका ले तो लंड चूत में घुसता अच्छे से दिखाई देगा ... खून अगर बाहर निकला तो वो भी दिख जायगा. इतना कह के मैं बिस्तर पर लेट गया.

और जैसा समझाया था वैसे ही गुड्डी रानी मेरे लंड के ऊपर चूत को ले आयी. मैंने उसकी कमर पकड़ के चूत को लौड़े के टोपे पर टिका दिया. रानी ने गर्दन झुका ली. मैंने कहा- जब तैयार हो तो बोल दियो तो मैं लंड घुसेड़ दूंगा. रानी बोली- मैं तैयार हूँ राजा ... सब दीख रहा है ... अब देर न कर हरामी.

मैंने एक गहरी सांस ली और रानी की कमर नीचे को धकेलते हुए से तेज़ी से लंड को गुड्डी रानी की कुंवारी बुर में सूत दिया. लौड़ा रानी के परदे को फाड़ता हुआ धम्म से पूरा घुस गया और रानी की बच्चेदानी को चूमने लगा.

चूत का पर्दा काफी सख्त था और गर्म खून की एक बौछार लंड पर पड़ती महसूस हुई. उसके गर्म गर्म और गाढ़े लहू ने चूत भर दी. लंड मानो उबलते हुए तेल में घुसा हो. काफी सारा रक्त चूत के बाहर भी बह निकला क्योंकि मुझे गर्म गर्म चिपचिपा गीलापन लंड की जड़ के चारों तरफ महसूस हुआ.

उधर रानी के मुंह से ज़ोर की चीख निकली. गुड्डी रानी चिल्लाई- हाय राजे बहुत दर्द हो रहा है ... प्लीज़ राजे निकाल ले ... ओह मेरी माँ ... मर गयी राजे ... निकाल अपना डंडा ... ओह ओह ओह ... मार डाला.

इससे पहले मैं कुछ बोलता, बेबी रानी बोली- चुप रह गुड़िया ... बस दो तीन मिनट में सब

ठीक हो जायगा ... दो चार लम्बी लम्बी सांसें ले ... राजे तू थोड़ा रुका रह ... झटके अभी न मारियो.

मैंने जवाब में सिर्फ हुंकार भरी और शांति से लंड गुड्डी रानी की बुर में डाले हुए बिना हिले डुले पड़ा रहा.

बेबी रानी फिर बोली- सुन गुड्डी, देखा अपनी चूत फटने का नज़ारा ? ले अपनी चूत का लहू का स्वाद चख.

मुझे अपने टट्टों के पास बेबी रानी की उंगली घूमती महसूस हुई. शायद रानी ने निकला हुआ खून समेटा था. उसने चूत की हर तरफ से खून को उँगलियों पर ले लिया और फिर एक उंगली मेरे मुंह में दे दी. मैंने लॉलीपॉप की तरह से बेबी रानी की उंगली चूसी. उसकी उंगली पर लगे हुए खून भी चूस लिया.

ये स्वाद पाकर लंड ने तुनक तुनक कर बढ़ती हुई उत्तेजना को दर्शाया. उधर गुड्डी रानी ने भी हाय हाय करते हुए अपने ही रक्त से सनी हुई बेबी रानी की उंगली लपड़ लपड़ की आवाज़ करते हुए चाट ली.

बेबी रानी बार बार पुच्च पुच्च करते हुए उसे तसल्ली दिलाती रही. गुड्डी रानी ने बेबी रानी को बड़े ज़ोर से जकड़ रखा था और वो हाय हाय करके कराह रही थी.

गुड्डी रानी उसे चूम के, सहला के, थपका थपका के और पुचकार पुचकार के बहला रही थी- बस गुड़िया ... बस ... बस ... सब ठीक हो जायेगा ... एक बार तो ये पीड़ा हर लड़की को सहनी पड़ती है ... चुप जा मेरी रानी ... अब चुप हो जा ... अभी देख कितना मज़ा आयेगा ... बस ... बस ... बस !

मैं लंड चूत में घुसाये बिल्कुल बिना हिले डुले पड़ा था. गुड्डी रानी की कुमारी चूत बेहद टाइट थी, जैसी हर बिन चुदी बुर हुआ करती है. लंड उसमें फंसा हुआ था और एसा लगता था कि लौड़े को मुट्ठी में दबाके मुट्ठी को कस लिया गया हो. यारों इतनी संकरी चूत को

लेने का मज़ा भी बेइतिहा आता है. और कुंवारी चूत ! इसके तो क्या कहने !!!

जब देखा कि रानी शांत होने लगी है, तो मैंने उसको घुमाकर सीधा किया ताकि उसका मुंह मेरी तरफ हो जाए. मैंने रानी को आलिंगन में बांधे बांधे एक कलाबाज़ी ली जिससे रानी मेरे नीचे हो गई और मैं ऊपर.

यह क्रिया मैं कई रानियों के संग बहुत बार कर चुका था इसलिए लंड बुर में घुसे घुसे ही हम पलट गए. और फिर उसे बड़े प्यार से चूमना शुरू किया. उसके होंठ चूमे, चेहरा जगह जगह पर चूमा, कान की लौ मुंह में ले के चूसी, गर्दन पर जीभ फिराई और फिर दोबारा होंठ चूसे. इतनी चूमा चाटी से उसका डर और दर्द दोनों कम होने लगे और उसके बदन ने प्रतिक्रिया देनी शुरू कर दी.

रानी के मुंह पर एक मुस्कान सी दीखने लगी और बुर में फिर से रस बहने लगा जिससे लंड को भी मज़ा आने लगा.

काफी देर एसा प्यार करने के बाद मैंने बहुत धीमे धीमे धक्के मारने आरंभ किये. पहले तो वह फिर कुछ दर्द से कराही लेकिन फिर चूत में आते हुए मज़े ने उसको सब दर्द भुला दिया. अब वह भी चुदाई का आनंद उठा रही थी.

मैंने अपना मुंह उसकी चूचियों पर जमा दिया और एक एक करके चूसने लगा. क्या मस्त चूचुक थे ! सम्भोग की प्यास ने उनको सख्त कर दिया था. इसलिये अब मैं चूची चूसते हुए दान्त भी गाड़ने लगा और दूसरी चूची को नींबू की भांति निचोड़ने लगा. अब उसके मुंह से चीत्कार नहीं बल्कि सीत्कार की आवाज़ें आ रही थीं. उसके नितंब भी अपने आप ऊपर नीचे होने लगे थे.

बेबी रानी उससे लगातार उत्साह बढ़ाने वाली बातें करे जा रही थी. गुड्डी रानी का सिर

सहला के बोली- गुड्डी मेरी जान ... अब कम हो गया ना दर्द ... अब हल्का हल्का मज़ा भी आ रहा है ना ?

गुड्डी रानी ने धीरे से सिर हिलाकर हाँ में जवाब दिया.

देख मैंने कहा था ना मज़ा आयेगा ... अभी देखे जा ... कितना ज़्यादाह मज़ा आने वाला है.

कहानी जारी रहेगी.

चूतेश

Other stories you may be interested in

प्यासी बुआ की कामवासना- 1

देसी औरत गरम कहानी में पढ़ें कि मैं बुआ के घर रह रहा था तो बुआ से दोस्ती सी हो गयी. मुझे पता लगा कि फूफाजी बुआ को नहीं चोदते तो बुआ प्यासी रह गयी. दोस्तो, मैं समीर मेरी पिछली [...]

[Full Story >>>](#)

पड़ोस के बाप बेटे- 3

भाभी और अंकल Xxx कहानी में पढ़ें कि एक जवान भाभी को अपने ससुर की उम्र के पड़ोसी अंकल से चुदाई करके इतना मजा आया कि वह हर रोज चुदाई कराने लगी. दोस्तो, मैं रोमा शर्मा अपनी स्टोरी का अगला [...]

[Full Story >>>](#)

मेरी बीवी मेरे सामने पुलिस वाले से चुदी

हॉट वाइफ सेक्स ककोल्ड स्टोरी में मेरी बीवी ने पुलिस वाले से मिलकर मेरे सामने अपनी चूत चुदाई का प्रोग्राम बनाया. इसमें उन दोनों ने मुझे धोखे से फंसा लिया ! नमस्कार दोस्तो, आप लोगों ने मेरी पिछली सेक्स कहानी मेरी [...]

[Full Story >>>](#)

पड़ोस के बाप बेटे- 2

हॉट भाभी Xxx स्टोरी में मुझे पड़ोस के एक अंकल ने अपने घर में चोद दिया. अंकल का लंड पकड़ने के बाद मेरी चूत में भी लंड लेने की आग लग गई थी। ये कैसे हुआ ? नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम [...]

[Full Story >>>](#)

हॉट इंडियन लड़की के साथ छत पर सेक्स वीडियो कॉल

विडियो सेक्स काल की कहानी दिल्ली सेक्स चैट वेबसाइट की एक लड़की के साथ ऑनलाइन सेक्स की है. एक हॉट लड़की मेरी पब्लिक सेक्स करने की फैटेसी थी। उसने मेरी ये फैटेसी कैसे पूरी की ? दोस्तो, मैंने अपनी पिछली कहानी [...]

[Full Story >>>](#)

